2nd days.   इल्तुतमिश का मूल्यांकन का   (2)

शेष भाग

इसका सबसे उल्लेखनीय उदाहरण कुतुब मीनार है जिसे ~~कु~~ कुतुबुद्दीन ऐबक ने शुरू किया और अंतत: इल्तुतमिश ने पूरा किया। कुतुबमीनार के दक्षिण में हौज शम्सी एवं उसके निकट मदरसा का निर्माण उसी ने कराया था।

अपने सैनिक पराक्रम, सुखद व्यवहार और उदारता के ~~कारण~~ जरिए इल्तुतमिश ने अपने परिवार के प्रति दिल्ली के लोगों का गहन आदर और लगाव अर्जित किया। जिसके फलस्वरूप उसके बाद उसके वंशजों के सुल्तान बनने के अधिकार को स्वीकार कर लिया गया। ~~इस~~ किन्तु उसके वंशज सफल सुल्तान नहीं बन सके क्योंकि इल्तुतमिश एक सुगठित एवं संघनित राज्य का निर्माण नहीं कर पाया था। राज्य अभी भी एक शिथिल ~~सा~~ ढाँचा था जिसमें एक मजबूत और सशक्त शासक ही, तुर्क अमीरों और दास अधिकारियों की आंतरिक ईर्ष्या तथा प्रतिद्वंदिता पर अंकुश रख सकता था।